डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

मार्च 2023 खण्ड 35 अंक 03

"बलस्य मूलं विज्ञानम्"

ISSN: 0971-4405

एयरो इंडिया 2023 में डीआरडीओ की भागीदारी

प्रकाशन का 35वां वर्ष

मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य सह-संपादक: अलका बंसल
प्रबंध संपादक: अजय कुमार
संपादकीय सहायक: धर्म वीर
मुद्रण: एस के गुप्ता

डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
		डॉ प्रसन्ना एस बख्शी रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
		डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई)
		श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		डॉ अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल)
चेन्नई	:	श्रीमती एस जयसुधा, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम)
		श्री तपेश सिन्हा, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक)
		डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
		श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
		श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
		श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई)
जगदलपुर	:	डॉ गौरव अग्निहोत्री, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लीथा एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमरानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख 4

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण 9

घटनाक्रम 9

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 13

कार्मिक समाचार 17

सामाजिक एवं खेलकूद क्रियाकलाप 18

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 19

वेबसाइट : https://www.drdo.gov.in/samachar

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें :

director.desidoc@gov.in

दूरभाष : 011-23902403, 23902434

फैक्स : 011-23819151

एयरो इंडिया 2023 में डीआरडीओ की भागीदारी

देश में रक्षा अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र से संबद्ध विभिन्न हितधारकों को एक साथ मिलकर कार्य करने के लिए प्रेरित करने के प्रयास में रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बेंगलुरु में 13–17 फरवरी 2023 के दौरान आयोजित किए गए 14वें एयरो इंडिया के दौरान स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों की अपनी समृद्ध विरासत एवं अनुभव को प्रदर्शित किया। डीआरडीओ ने स्वदेशी तकनीकों से विकसित उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की। इंडिया पवेलियन में अपने प्रमुख उत्पादों को प्रदर्शित करने के अतिरिक्त इसने कई प्रदर्शन, हवाई करतब तथा सेमिनार आयोजित किए। इनमें वैमानिकी प्रणालियों, मिसाइलों, आयुधों, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा कम्प्यूटेशनल प्रणालियों, सैनिकों को सहायता उपलब्ध कराने वाली प्रौद्योगिकियों, जैव विज्ञान, तथा नौसेना एवं सामग्री विज्ञान सहित अन्य विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित उत्पादों का प्रदर्शन शामिल था। प्रदर्शनी में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को बल प्रदान करने की दिशा में डीआरडीओ द्वारा की गई हालिया प्रगति को भी प्रदर्शित किया गया।

डीआरडीओ पवेलियन में 12 जोनों अर्थात युद्धक विमान एवं यूएवी (ड्रोन) जोन, मिसाइल तथा सामरिक प्रणाली जोन, इंजन तथा प्रणोदन प्रणाली जोन, हवाई निगरानी प्रणाली जोन, सेंसर इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तथा संचार प्रणाली जोन, पैराशूट तथा ड्रॉप सिस्टम जोन, नौसेना प्रणाली जोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग एवं साइबर प्रणाली जोन, सामग्री जोन, स्थल पर प्रयोग में लाई जानेवाली सैन्य प्रणाली एवं युद्ध सामग्री जोन, जीवन सहायक सेवा जोन तथा उद्योग एवं अकादमिक जगत तक पहुंच स्थापित करके विकसित किए गए विभिन्न उत्पादों एवं प्रणालियों से संबद्ध जोन के अंतर्गत वर्गीकृत 330 से भी अधिक उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

इन 12 जोनों में से प्रत्येक जोन से संबंधित प्रमुख उत्पादों में युद्धक विमान एवं यूएवी (ड्रोन) जोन के अंतर्गत उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए), एलसीए तेजस मार्क–II, ट्विन इंजन डेक–बेस्ड फाइटर (टीईडीबीएफ), आर्चर ड्रोन, तपस

ड्रोन,
अभ्यास ड्रोन,
स्वचालित स्टील्थ विंग फ्लाइंग टेस्ट बेड (स्विफ्ट); मिसाइल तथा सामरिक प्रणाली जोन के अंतर्गत आकाश, अस्त्र, क्यूआरएसएएम, हेलिना, नाग, प्रलय मिसाइल; इंजन तथा प्रणोदन प्रणाली जोन के अंतर्गत एफएसीईसीयू, गियरबॉक्स मॉड्यूल, कावेरी ड्राई इंजन प्रोटोटाइप, छोटे आकार के टर्बो फैन इंजन; हवाई निगरानी प्रणाली जोन के अंतर्गत वायुवाहित पूर्व चेतावनी तथा नियंत्रण प्रणाली (अवाक्स)–नेत्र, अवाक्स–मार्क–II, बहुउद्देश्यीय समुद्री विमान (एमएमएमए), मित्र अथवा शत्रु की पहचान करने वाली प्रणाली (आईएफएफ) तथा एएएयू मॉडल; सेंसर इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तथा संचार प्रणाली जोन के अंतर्गत टीडब्ल्यूआईआर, बैटल फील्ड सर्विलांस रडार – शॉर्ट रेंज (बीएफएसआर–एसआर), भरणी, अश्लेषा, एएटीआरयू, एएसपीजे पॉड, एलईओपी; पैराशूट तथा ड्रॉप सिस्टम जोन के अंतर्गत मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट प्रणाली, ब्रेक पैराशूट, पी–16 हैवी ड्रॉप सिस्टम; नौसेना प्रणाली जोन के अंतर्गत हेलीकॉप्टर मॉडल के साथ वायुवाहित सोनार प्रणाली, हवा से गिराए जानेवाले दिशात्मक सोनोबॉय; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मशीन लर्निंग एवं साइबर प्रणाली जोन के अंतर्गत डीडीसीए, स्वदेशी भौगोलिक सूचना प्रणाली (इंडिजेनस जीआईएस), हवाई युद्ध अनुकार प्रणाली, क्यूआरएनजी; सामग्री जोन के अंतर्गत एफएसएपीडीएस, टिटैनियम मिश्र धातु; स्थल पर प्रयोग में लाई जानेवाली सैन्य प्रणाली एवं युद्ध सामग्री जोन के अंतर्गत एएसआरईएम, निगरानी आरओवी, सुमित्रा; जीवन सहायक सेवा जोन के अंतर्गत समेकित जीवन सहायक प्रणाली, हेलीकॉप्टर ऑक्सीजन प्रणाली तथा उद्योग एवं अकादमिक जगत तक पहुंच स्थापित करके विकसित किए गए विभिन्न उत्पादों एवं प्रणालियों से संबंधित जोन के अंतर्गत वान्केल रोटरी इंजन, जेट फ्यूल स्टार्टर, रेडियो अल्टीमीटर के नाम उल्लेखनीय हैं। इंडिया पवेलियन में डीआरडीओ के पांच उत्पादों का प्रदर्शन किया गया जिनमें एईडब्ल्यूसी एंड सी मार्क–II, एएमसीए, एलसीए तेजस मार्क–II, टीईडीबीएफ,

एवं आर्चर (इमेज इंटेलिजेंस विथ वेपन पेलोड्स) शामिल थे।

इस मेगा शो में डीआरडीओ की भागीदारी ने एलसीए तेजस, एलसीए तेजस पीवी 6, वायुवाहित पूर्व चेतावनी तथा नियंत्रण प्रणाली (अवाक्स)–नेत्र तथा यूएवी तपस ड्रोन के उड़ान प्रदर्शन द्वारा ध्यान आकृष्ट किया। स्थैतिक प्रदर्शन में एलसीए तेजस एनपी 1/एनपी 5 तथा वायुवाहित पूर्व चेतावनी तथा नियंत्रण प्रणाली (अवाक्स) नेत्र भी शामिल थे। डीआरडीओ की प्रतिभागिता ने मध्यम ऊंचाई पर दीर्घावधि तक उड़ान भरने में सक्षम श्रेणी के स्वदेशी ड्रोन तपस–बीएच (टैक्टिकल एरियल प्लेटफॉर्म फॉर एडवांस सर्विलांस–बियॉन्ड होराइजन) के द्वारा किए गए प्रथम उड़ान प्रदर्शन से भी एयर शो में ध्यान आकृष्ट किया। तपस–बीएच ने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया एवं कार्य दिवसों के दौरान स्थैतिक के साथ–साथ हवाई प्रदर्शन भी दर्शाए तथा हवाई क्षेत्र के वीडियो का पूरे आयोजन स्थल पर सीधा प्रसारण किया गया। तपस तीनों सेवाओं की खुफिया, निगरानी, लक्ष्य प्राप्ति तथा टोही (आईएसटीएआर) आवश्यकताओं के लिए डीआरडीओ द्वारा विकसित किया गया है। यह ड्रोन 28000 फीट की ऊंचाई पर 18 घंटे से भी अधिक समय तक उड़ान भरने में सक्षम है।

कार्यक्रम के दौरान डीआरडीओ द्वारा भी दो सेमिनार आयोजित किए। वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलुरु द्वारा एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से 12 फरवरी 2023 को 'एयरोस्पेस एंड डिफेंस टेक्नोलॉजीज–वे फॉरवर्ड' विषय पर एयरो इंडिया इंटरनेशनल सेमिनार के 14वें द्विवार्षिक संस्करण का आयोजन किया गया। यह सेमिनार एयरो इंडिया के दौरान आयोजित किए एयर शो की पूर्व कडी के रूप में आयोजित किया गया एक प्रमुख कार्यक्रम था। सेमिनार में डीआरडीओ, भारतीय वायु सेना, हिंदुस्तान वैमानिकी लिमिटेड (एचएएल), अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और मुख्य शैक्षणिक संस्थानों से कई सुप्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया तथा अंतरिक्ष एवं रक्षा के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों तथा की गई प्रगति के बारे में श्रोताओं को जानकारी प्रदान की। डीआरडीओ ने सेमिनार के दौरान विमानन तथा अंतरिक्ष के क्षेत्र से जुड़ी भारतीय महिला पेशेवरों की संस्था आईडब्ल्यूपीए को भी सम्मानित किया।

दूसरा सेमिनार 14 फरवरी 2023 को डीआरडीओ के वैमानिकी अनुसंधान तथा विकास बोर्ड (एआर एंड डीबी) द्वारा आयोजित किया गया था। इसका उद्घाटन रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने किया। रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट सेमिनार के विशिष्ट अतिथि थे। सेमिनार का मुख्य विषय 'अधुनातन अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों का स्वदेशी विकास तथा स्वदेशी एयरो इंजनों के विकास के लिए आगे की राह' था। इस सेमिनार में अकादमिक जगत, भारतीय निजी उद्योग, स्टार्टअप कंपनियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा डीआरडीओ से प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

14 फरवरी 2023 को सेमिनार के दौरान कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस अवसर पर मिग–29के में प्रयोग में लाए जाने के लिए प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) का प्रयोग करके विकसित की गई स्वास्थ्य उपयोग एवं निगरानी प्रणाली नौसेना उप प्रमुख को सौंपी गई।

सेमिनार के दौरान आयोजित किए गए अन्य कार्यक्रमों में तेजस के एएमएजीबी में प्रयोग में लाए जाने हेतु सीवीआरडीई द्वारा विकसित एयरक्राफ्ट बेयरिंग के लिए सेमिलेक द्वारा प्रमाणपत्र सौंपना; अग्रिम विनिर्माण आकलन और रेटिंग प्रणाली के लिए एक वेब पोर्टल (www.samar.gov.in) का शुभारंभ; डीआरडीओ निर्यात संग्रह 'ठोस रॉकेट तथा मिसाइल प्रणाली का अविनाशी मूल्यांकन' विषय पर डीआरडीओ मोनोग्राफ, वैमानिकी अनुसंधान तथा विकास बोर्ड की पत्रिका 'पुष्पक 2022' का विमोचन किया जाना शामिल है। सेमिनार के दौरान डीआरडीओ ने 15 उद्योगों को डीआरडीओ द्वारा विकसित की गई 11 प्रौद्योगिकियों के प्रौद्योगिकी अंतरण के लिए 16 लाइसेंसिंग करार भी सौंपे।

एयरो इंडिया 2023 में डीआरडीओ की प्रतिभागिता से भारतीय अंतरिक्ष समुदाय को आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ सैन्य प्रणालियों तथा प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी विकास को बढ़ावा देने का एक उत्कृष्ट अवसर प्राप्त हुआ। इसने स्वदेशी रक्षा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सहयोगात्मक संबंध स्थापित करने एवं नए अवसरों को सृजित करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

'ठोस रॉकेट तथा मिसाइल प्रणाली का अविनाशी मूल्यांकन' विषय पर डीआरडीओ मोनोग्राफ का विमोचन

वैमानिकी अनुसंधान तथा विकास बोर्ड की पत्रिका 'पुष्पक 2022' का विमोचन

NGARM
Realising the Vision of Aatmanirbhar Bharat
VSHORADS

Demonstration

पी-75 श्रेणी की पनडुब्बियों का एआईपी के साथ एकीकरण के लिए नौसेना समुह, फ्रांस के साथ अभिकल्पन पुनरीक्षण अनुबंध

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ तथा नौसेना समुह, फ्रांस ने एनएमआरएल द्वारा कलवरी–श्रेणी (पी–75) पनडुब्बियों पर प्रयोग में लाए जाने के लिए विकसित की गई ईंधन सेल–आधारित वायु स्वतंत्र प्रणोदन (एआईपी) प्रणाली के अभिकल्पन की जांच के लिए 23 जनवरी 2023 को मुंबई में एक महत्वपूर्ण अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। वायु स्वतंत्र प्रणोदन (एआईपी) प्रणाली को प्रयोग में लाए जाने से डीजल–इलेक्ट्रिक पनडुब्बी की मारक क्षमता काफी बढ़ जाती है क्योंकि इससे पनडुब्बी की पानी के भीतर लगातार रहने की अवधि में कई गुना वृद्धि होती है। एआईपी प्रौद्योगिकी को एनएमआरएल द्वारा भारतीय उद्योगों के सहयोग से सफलतापूर्वक विकसित किया गया है। एआईपी के भूमि–संस्थित प्रोटोटाइप का भारतीय नौसेना द्वारा प्रयोक्ता परीक्षणों के दौरान परीक्षण मूल्यांकन किया गया है। अनुबंध पर हस्ताक्षर के दौरान एनएमआरएल के वैज्ञानिक, भारतीय नौसेना के अधिकारी तथा नेवल ग्रुप, फ्रांस एवं फ्रांस के दूतावास के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

घटनाक्रम

गणतंत्र दिवस समारोह

केयर, बेंगलुरु

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु में 26 जनवरी 2023 को अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ 74वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ सुब्रत रक्षित, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, केयर द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई जिसके पश्चात राष्ट्रगान गाया गया और तत्पश्चात निदेशक, केयर ने समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर केयर के कर्मचारियों तथा उनके बच्चों को विभिन्न पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

आईटीएम, मसूरी

प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम), मसूरी में 26 जनवरी 2023 को बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ 74वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। समारोह में श्री एस ए कट्टी, निदेशक, आईटीएम ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उसके पश्चात राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर निदेशक, आईटीएम ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी कर्मचारियों को 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई दी। समारोह को संबोधित करते हुए आपने स्वतंत्रता, समानता और न्याय जैसे लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में बताया। अपने संबोधन में आपने विभिन्न संदर्भों में आईटीएम द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा निर्धारित समय के भीतर लक्ष्यों को प्राप्त करने में 'आईटीएम टीम' को सम्पुर्ण मन से समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया। आपने सभी कर्मचारियों से अपने सभी प्रयासों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास जारी रखने का अनुरोध किया।

आईटीआर, चांदीपुर

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर परिसर में 26 जनवरी 2023 को 74वां गणतंत्र दिवस अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया जिसमें श्री एच के रथ, निदेशक, आईटीआर द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और उसके बाद आईटीआर के सभी कार्मिकों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर किए गए अपने संबोधन में निदेशक, आईटीआर ने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारों तथा मिलिट्री विंग, डीएससी जवानों एवं होमगार्ड द्वारा आईटीआर तथा मिसाइल परिसरों की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे किए जा रहे योगदान की सराहना की। इस अवसर पर आईटीआर की सड़कों तथा प्रक्षेपण परिसर में सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम का उद्घाटन किया गया।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में 26 जनवरी 2023 को 74वां गणतंत्र दिवस देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर अत्यधिक उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। समारोह की शुरुआत श्री पी टी रोजत्कर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एनएमआरएल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। समारोह में एनएमआरएल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। एनएमआरएल कर्मचारियों के बच्चों ने भी इस कार्यक्रम में काफी उत्साह के साथ भाग लिया और इस शुभ अवसर पर देशभक्ति गीत और कविताएं प्रस्तुत की।

एनएमआरएल, अंबरनाथ में स्थापना दिवस समारोह

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में 5 जनवरी 2023 को अपार हर्षोल्लास के साथ 70वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। प्रो ए के सुरेश (सेवानिवृत्त), आईआईटी–बंबई इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में आपने एनएमआरएल सदस्यों को अधिक से अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। प्रो सुरेश ने एनएमआरएल द्वारा विगत वर्षों के दौरान प्राप्त की गई उपलब्धियों पर अत्यधिक गर्व की भावना अभिव्यक्त की।

श्री पी टी रोजत्कर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने समारोह में उपस्थित जनों को संबोधित किया तथा वर्ष 2022 के दौरान प्रयोगशाला द्वारा की गई प्रगति एवं प्राप्त हुई उपलब्धियों के संबंध में एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। आपने भविष्य में एनएमआरएल के अनुसंधान कार्यों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर एनएमआरएल का वार्षिक प्रतिवेदन–2022 भी जारी किया गया जिसमें एनएमआरएल द्वारा वर्ष के दौरान विज्ञान के क्षेत्र में की गई समस्त प्रगति, विभिन्न परियोजनाओं में प्राप्त हुई उपलब्धियों, प्रयोगशाला द्वारा किए गए अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों तथा प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे अन्य सभी कल्याणकारी क्रियाकलापों को समाहित किया गया है। मुख्य अतिथि ने प्रयोगशाला में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके कर्मचारियों को सम्मानित किया तथा खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए।

डेसीडॉक में डीएलएसजे के संपादकीय बोर्ड की बैठक

डीआरडीओ द्वारा प्रकाशित की जा रही त्रैमासिक पत्रिका डिफेंस लाइफ साइंस जर्नल (डीएलएसजे) में जैव प्रौद्योगिकी, जैव चिकित्सा, जैव अभियांत्रिकी, जैव इलेक्ट्रॉनिकी, अनाक्रमी जैव प्रतिबिंबन, फार्माकोलॉजी, टॉक्सिकोलॉजी, फिजियोलॉजी, नाभिकीय, जैविक तथा रासायनिक युद्ध, खाद्य प्रौद्योगिकी तथा मनोविज्ञान विषयों से संबंधित शोध लेख प्रकाशित किए जाते हैं। जर्नल प्रकटीकरण तथा स्वतंत्र समीक्षा कराए जाने सहित संपादकीय निष्ठा के उच्चतम मानकों को कायम रखता है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप इस पत्रिका की गुणवत्ता में और अधिक सुधार लाने के लिए डेसीडॉक, दिल्ली ने 20 जनवरी 2023 को 'डिफेंस लाइफ साइंस जर्नल संपादकीय बोर्ड (डीएलएसजे–ईबी) बैठक' का आयोजन किया।

डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने बैठक में उपस्थित डीएलएसजे–ईबी के सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा बैठक की कार्यसूची पर चर्चा की एवं संपादकीय बोर्ड की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। बैठक के दौरान सदस्यों ने पत्रिका की नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा की तथा पत्रिका के प्रचार, पत्रिका में शामिल किए जा रहे लेखों की प्रभावकारिता में वृद्धि, पत्रिका के विशेषांक में शामिल किए जाने वाले विषयों और संभावित अतिथि संपादकों आदि विषयों पर चर्चा की। श्री योगेश मोदी, संपादक, डीएलएसजे ने बैठक में पत्रिका से संबंधित नीतियों, संदर्भ स्रोतों एवं संपादकीय बोर्ड की वर्तमान स्थिति के बारे में एक संक्षिप्त जानकारी दी। बैठक का समापन श्रीमती अलका बंसल, एसोसिएट प्रधान संपादक, डीएलएसजे द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

पीएक्सई, बालासोर द्वारा फूड फेस्टिवल-सह-कला एवं हस्तशिल्प मेला का आयोजन

प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पीएक्सई), बालासोर द्वारा 21 जनवरी 2023 को फूड फेस्टिवल–सह–कला एवं हस्तशिल्प मेला का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य पीएक्सई की महिला कर्मचारियों की छिपी हुई प्रतिभा को उजागर करना था। इसका उद्घाटन श्रीमती यू डी जोशी तथा श्री डी के जोशी, निदेशक, पीएक्सई द्वारा किया गया। इस मेले में पीएक्सई की महिला कर्मचारियों तथा पीएक्सई के कर्मचारियों की पत्नियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ और इन सभी ने इस मेले में बढ़–चढ़ कर भाग लिया। मेले को देखने के लिए आईटीआर, पीएक्सई, ईएमयू, पीएमयू, एमईएस के कर्मचारी तथा उनके परिवार के सभी सदस्य आए। लोगों ने विभिन्न राज्यों के घर के बने अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थों तथा हस्तनिर्मित कला एवं शिल्प वस्तुओं का भरपूर आनंद लिया।

डीएसपी, हैदराबाद में विश्व गुणवत्ता माह समारोह का आयोजन

विशेष परियोजना निदेशालय (डीएसपी), हैदराबाद में 25 नवंबर 2022 को विश्व गुणवत्ता माह समारोह का आयोजन किया गया। डॉ ए स्वर्ण बाई, समूह प्रमुख, क्यूआरजी ने समारोह का स्वागत भाषण के साथ स्वागत किया। डॉ पी एस आर श्रीनिवास शास्त्री, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डीएसपी ने अपने व्याख्यान में अंतरिक्ष परियोजनाओं में गुणवत्ता के महत्व पर बल दिया तथा त्रुटि रहित एवं पहली बार ही सही दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर श्री एच आर नागेंद्र, पूर्व उप निदेशक, यूआरराव उपग्रह केंद्र (यूआरएससी), इसरो ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा 'अंतरिक्ष प्रणाली संतुलन परंपरा एवं रुझान के लिए गुणवत्ता प्रबंधन' विषय पर उद्घाटन भाषण दिया।

विशिष्ट अतिथि कमोडोर मयंक पाठक, कार्यवाहक एडीजी, एसएसक्यूएजी ने 'एमएसएस क्लस्टर में गुणवत्ता आश्वासन के संबंध में अनुभव' विषय पर व्याख्यान दिया तथा श्री सी वी एस साई प्रसाद, वैज्ञानिक 'एच' तथा निदेशक, एसक्यूआर, महानिदेशक (एमएसएस) कार्यालय ने 'डीआरडीओ गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता नीति संबंधी दिशानिर्देश' विषय पर व्याख्यान दिया।

डीआईपीआर में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए कार्यशाला का आयोजन

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली द्वारा 9 फरवरी 2023 को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सहायक कमांडेंटों के लिए चयन प्रणाली के विकास हेतु कार्य अपेक्षाओं पर विचार–विमर्श करना था। डॉ के रामचंद्रन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डीआईपीआर ने सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, बीएसएफ तथा सीआईएसएफ से आए प्रतिभागियों के समक्ष कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उद्घाटन भाषण दिया। डॉ अरुणिमा गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी' तथा अपर निदेशक, डीआईपीआर ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सहायक कमांडेंट की चयन प्रणाली

हेतु मनोवैज्ञानिक अपेक्षाओं को निर्धारित तथा समाहित करने के लिए क्रियाकलापों को तैयार करने तथा उनके महत्व के बारे में विस्तार से बताया। कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया तथा प्रतिभागियों ने डीआईपीआर टीम के सदस्यों के साथ आयोजित किए गए संवाद सत्रों की सराहना की।

केयर में डीप लर्निंग के साथ एनएलपी पर पाठ्यक्रम

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु में 'डीप लर्निंग के साथ नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी)' विषय पर 23–25 जनवरी 2023 के दौरान तीन दिवसीय सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम को व्यापक रूप से डेटा संचालित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) परिप्रेक्ष्य से तथा साथ ही भाषाविज्ञान एवं संज्ञानात्मक दृष्टिकोण से भी एनएलपी के संबंध में मौलिक अवधारणाओं, नवीनतम प्रगति तथा भविष्य के अनुसंधान निर्देशों को समाहित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। सीईपी में प्रमुख विषयों के रूप में एनएलपी के लिए डीएनएन संरचना, प्रतिनिधित्व अधिगम, कम संसाधन के नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, कानूनी डोमेन के लिए नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग आदि के साथ–साथ संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान एवं भाषाविज्ञान के मूल सिद्धांत शामिल किए गए थे।

पाठ्यक्रम का आयोजन ट्यूटोरियल सत्रों, वार्ताओं, केयर द्वारा विकसित

समाधानों के प्रदर्शन तथा हाइब्रिड मोड में प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला के रूप में किया गया था। पाठ्यक्रम के दौरान सुविख्यात शोधकर्ताओं, शिक्षा जगत, उद्योग तथा डीआरडीओ से विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्रों में व्याख्यान दिए। पाठ्यक्रम के मुख्य सत्र के दौरान डॉ जी अतिथन, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एमसीसी) (सेवानिवृत्त), प्रो पुष्पक भट्टाचार्य, आईआईटी मुंबई तथा प्रो बी एन पटनायक, आईआईटी कानपुर (सेवानिवृत्त) द्वारा अत्यधिक सारगर्भित व्याख्यान दिए गए। आईआईटी–खड़गपुर, आईआईटी–पटना, आईआईटी–हैदराबाद, आईआईटी–पलक्कड़, मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर इंफॉर्मेटिक्स सारब्रुकेन, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स), हैदराबाद, अमृत विश्व विद्यापीठम के प्रोफेसरों तथा माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च, एआई4 भारत एवं केयर के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा एनएलपी से संबंधित विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए व्याख्यान दिए गए। इस पाठ्यक्रम में डीआरडीओ की दस प्रयोगशालाओं से कुल 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ सुब्रत रक्षित, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, केयर ने समापन भाषण दिया।

उभरते रुझान विषय वेदा-2022 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु तथा वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक्स एंड एप्लीकेशन सोसाइटी (वेदास) ने संयुक्त रूप से 19–21 जनवरी 2023 के दौरान बेंगलुरु में 'निर्वात इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण तथा अनुप्रयोग (वेदा–2022) उभरते रुझान' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के आयोजन से निर्वात इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों एवं भविष्य के रुझानों तथा प्रतिस्पर्धी प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में काम करने वाले प्रख्यात वैज्ञानिकों, इंजीनियरों तथा शोधकर्ताओं को परस्पर संवाद एवं अपने अनुभवों को साझा करने के लिए एक साझा मंच प्राप्त हुआ। इस दौरान टेराहर्ट्ज प्रौद्योगिकियों तथा निर्दिष्ट ऊर्जा प्रणालियों के संबंध में मौजूदा तथा भावी रुझानों के क्षेत्रों को शामिल करते हुए दो ट्यूटोरियल सत्रों का आयोजन किया गया जिनमें यूनाइटेड किंगडम (यूके) के लैंकेस्टर विश्वविद्यालय से प्रोफेसर क्लॉडियो पाओलोनी तथा

यूएसए के यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मेक्सिको से डॉ डी वी गिरी द्वारा व्याख्यान दिए गए। उद्घाटन सत्र के दौरान वेदास पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। डॉ बी के दास, महानिदेशक (ईसीएस) ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। 19 जनवरी 2023 को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नेत्रहीन बच्चों के लिए चलाए जा रहे रमन महर्षि विद्यालय के छात्रों ने प्रतिभागिता की तथा अपनी प्रस्तुति से संगोष्ठी में उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दो दिनों के दौरान 3 तकनीकी सत्रों में कुल 78 तकनीकी लेख प्रस्तुत किए गए तथा 3 संपूर्ण सत्रों का आयोजन किया गया। समापन समारोह में डॉ पी राधाकृष्ण, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, एलआरडीई मुख्य अतिथि थे।

टीआईसी के प्रमुखों तथा डीआरडीओ न्युजलेटर एवं टेक्नोलोजी फोकस के संवाददाताओं के लिए कार्यशाला का आयोजन

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली तथा रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) ने संयुक्त रूप से तकनीकी सूचना केंद्र के प्रमुखों तथा डीआरडीओ न्युजलेटर एवं टेक्नोलोजी फोकस के संवाददाताओं के लिए 24 फरवरी 2023 को रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर में एक कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला में डीआरडीओ के टीआईसी प्रमुखों तथा डीआरडीओ न्युजलेटर (डीआरडीओ की मासिक समाचार पत्रिका) एवं टेक्नोलोजी फोकस

(डीआरडीओ की द्वैमासिक तकनीकी पत्रिका) के संवाददाताओं को मिलाकर कुल 44 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक ने प्रतिभागियों को कार्यशाला के उद्देश्य तथा कार्यसूची के बारे में जानकारी दी।

उद्घाटन सत्र के दौरान श्री आर वी हरप्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर अपने संबोधन में आपने डेसीडॉक द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं की सराहना की। आपने कहा कि डीआरडीओ के तकनीकी सूचना केंद्रों (टीआईसी) के प्रमुख न केवल पुस्तकालय कर्मी हैं, बल्कि डीआरडीओ के रूप में और डीआरडीओ की ओर से वे एक प्रबल सूचना प्रदाता तथा सूचना के प्रचारक–प्रसारक के रूप में भी कार्य करते हैं। आपने जोर देकर कहा कि यह सही

समय है कि डीआरडीओ से जुड़े हम सभी एक साथ मिलकर डीआरडीओ को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए काम करें। श्रीमती अंजलि भाटिया, वैज्ञानिक 'एच' ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया तथा सही उपयोगकर्ताओं को सही समय पर सही जानकारी प्रदान करने पर बल दिया। समापन सत्र के दौरान, डॉ ए एस राठौर, वैज्ञानिक 'जी', डीएलजे ने उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई एवं प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

वित्त मंत्रालय के तहत एजेएनआईएफएम में वॉरगेमिंग तथा सिमुलेशन विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला

पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली ने 2 फरवरी 2023 को अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एजेएनआईएफएम) में वॉरगेमिंग तथा अनुकार विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का आयोजन भारतीय नौसेना के अधिकारियों को ईसा द्वारा भारतीय सशस्त्र बलों के लिए विशेष रूप से युद्ध क्रीड़ा तथा सिमुलेशन के क्षेत्र में विकसित प्रौद्योगिकी/उत्पादों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था।

इस कार्यशाला में भारतीय नौसेना से नौ अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला को दो सत्रों में विभाजित किया गया था। पहले सत्र में ईसा के बारे में संक्षेप में जानकारी उपलब्ध कराना, मॉडलिंग तथा सिमुलेशन के संबंध में जानकारी प्रदान करना तथा उसके पश्चात कुछ प्रणाली

विश्लेषण अध्ययन के विषय शामिल किए गए थे। दूसरे सत्र में नौसेना में युद्ध क्रीड़ा तथा निर्णय सहायता उपकरणों का प्रदर्शन शामिल था।

सैन्य मनोविज्ञान में उभरती प्रवृत्तियों पर संगोष्ठी

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 15–17 फरवरी 2023 के दौरान विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 'मनोविज्ञान तथा प्रौद्योगिकीः विश्व को एक नए सांचे में ढालना' विषय पर आयोजित किए गए इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी (आईएएपी) के 27वें अंतर्राष्ट्रीय तथा 58वें राष्ट्रीय सम्मेलन के एक हिस्से के रूप में एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

इस संगोष्ठी में डीआईपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने सैन्य मनोविज्ञान के क्षेत्र में किए गए नवीनतम अनुसंधान क्रियाकलापों के संबंध में अपनी विस्तृत एवं गहन जानकारी एक दूसरे के साथ साझा की। इस संगोष्ठी में अन्य बातों के साथ–साथ सतर्क एवं जागरूक रहकर अधिकाधिक कल्याण के लिए कार्य करने, सैनिकों में मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक एवं व्यवहारिक दृढ़ता का विकास, युद्ध तनाव प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भूमिका, मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मूल्यांकन में प्रौद्योगिकी के प्रयोग की स्थिति सहित अनेक विषयों पर अत्यधिक सारगर्भित चर्चा हुई।

संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया तथा बड़ी संख्या में छात्रों, शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों तथा वैज्ञानिकों ने संगोष्ठी के दौरान दिए गए व्याख्यानों तथा डीआईपीआर टीम के सदस्यों के साथ आयोजित किए गए संवादात्मक विचार–विमर्श सत्रों की सराहना की।

पीएक्सई में सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पीएक्सई), बालासोर द्वारा सुरक्षा के संबंध में सतर्कता एवं जागरूकता सृजित करने के लिए नियमित आधार पर 'सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम' आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में 17 जनवरी 2023 को गंगा मेला मैदान, बलरामगढ़ी में ट्रॉलर एसोसिएशन के कर्मियों, ट्रॉलरों के मालिकों/संचालकों तथा स्थानीय ग्रामीणों को ट्रॉलरों के इस्तेमाल के दौरान संभावित खतरों के बारे में शिक्षित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया ताकि उनके दुस्साहस के कारण किसी संभावित दुखद दुर्घटना को घटित होने से रोका जा सके।

कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों, ट्रॉलरों के मालिकों तथाा परिचालन से जुड़े कर्मचारियों, बलरामगढ़ी ट्रॉलर एसोसिएशन के अध्यक्ष, समुद्री मत्स्य पालन विभाग (सागर मित्र) के एक प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत सदस्य, प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पीएक्सई) के वरिष्ठ अधिकारियों तथा कार्यवाहक निदेशक ने भाग लिया। प्रतिभागियों को बेहतर रूप में समझाने के लिए रेंज सुरक्षा क्रियाकलापों का श्रव्य–दृश्य प्रस्तुतीकरण भी किया गया।

लोगों को रेंज परिसर के भीतर अनाधिकार प्रवेश करने तथा वहां की किसी भी वस्तु को उठाने में निहित जोखिमों के बारे में पीएक्सई के वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं सैन्य अधिकारियों द्वारा जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में शामिल लोगों को प्रयोगशाला के फायरिंग रेंज में प्रवेश करने की स्थिति में सुरक्षा से संबंधित पहलुओं से भी सुरक्षा अधिकारी, पीएक्सई द्वारा अवगत कराया गया। चिकित्सा अधिकारी ने स्थानीय स्वास्थ्य समस्याओं तथा उनके उपचार के संबंध में चर्चा की।

नियुक्ति

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल) के श्री समीर अब्दुल अज़ीज़, वैज्ञानिक 'एफ' ने 6 जनवरी 2023 को भारत के दूतावास, मॉस्को में काउंसलर (रक्षा प्रौद्योगिकी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। इससे पहले आप एनपीओएल में समूह निदेशक (प्रौद्योगिकी प्रबंधन) थे जहां आप प्रयोगशाला के भीतर प्रणाली अभियांत्रिकी प्रक्रमों के अनुप्रयोग का नेतृत्व करने तथा परिप्रेक्ष्य योजना से संबंधित, प्रौद्योगिकी अंतरण तथा प्रौद्योगिकी सहयोग से संबंधित क्रियाकलापों का समन्वयन, प्रणाली को प्रयोग में लाए जाने के लिए शामिल करने तथा निर्यात के लिए उपयोगकर्ताओं एवं उद्योगों के साथ तालमेल बिठाने से संबंधित क्रियाकलापों से जुड़े हुए थे। आप परियोजना अंतरिक्ष के परियोजना निदेशक भी थे जहां आप सोनार प्रणालियों के लिए विश्व में अपनी किस्म की अद्वितीय अत्याधुनिक प्रायोगिक परीक्षण सुविधा स्थापित करने के लिए कार्य कर रही टीम का नेतृत्व कर रहे थे।

आपने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर से औद्योगिक इंजीनियरिंग तथा प्रबंधन विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है जहां संस्थान के सभी स्नातकोत्तर छात्रों के बीच अकादमिक रूप से सर्वश्रेष्ठ सिद्ध होने पर आपको निदेशक के स्वर्ण पदक (डायरेक्टर्स गोल्ड मेडल) से सम्मानित किया गया था।

एनपीओएल में आपने पानी के नीचे बचाव तथा गोताखोरी के लिए एक पोर्टेबल उपकरण 'तरंगिनी' सहित असैन्य क्षेत्र में प्रयोग में लाए जाने के लिए स्पिन–ऑफ प्रौद्योगिकियों के विकास के माध्यम से रचनात्मकता एवं नवाचार को बढ़ावा दिया। आपने स्थानीय उद्योग के सहयोग से कोविड–19 महामारी का मुकाबला करने के लिए कई स्पिन–ऑफ उपकरणों के विकास का नेतृत्व किया। आप केरल सरकार द्वारा केरल राज्य में कोविड–19 के रोकथाम तथा उपचार के लिए जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरणों के विनिर्माण की निगरानी के लिए गठित की गई उच्च स्तरीय समिति के सदस्य रहे हैं।

आपने एनपीओएल द्वारा प्रकाशित की जा रही प्रौद्योगिकी प्रबंधन विषयक पत्रिका 'आश्विनी' के संपादक के रूप में भी काम किया है। आप इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग अवार्ड (2013), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी)–कालीकट के पूर्व छात्र संगठन द्वारा दिया गया पुरस्कार एनआईटीसीएए अवार्ड (2014), डीआरडीओ युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (2014) तथा डीआरडीओ अवार्ड फॉर बेस्ट टेक्नोमैनेजरियल सर्विसेज (2019) सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किए गए हैं।

उच्च योग्यता अर्जन

एएसएल, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद के श्री आई किंग्स्टन लेस्ली जाबेज, वैज्ञानिक 'एफ' को उनके द्वारा 'स्टडी ऑन सल्फर क्योर्ड एथिलीन प्रोपलीन डाइन टरपॉलिमर बेस्ड इन्सुलेशन फॉर लार्ज कमपोजिट रॉकेट मोटर केसिंग' विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी)–वारंगल, तेलंगाना द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

कैब्स, बेंगलुरु

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलुरु के श्री एम आर शंकर, वैज्ञानिक 'जी' को उनके द्वारा 'मल्टीडिसिप्लिनरी डिज़ाइन ऑप्टिमाइज़ेशन ऑफ़ एयरबोर्न सर्विलांस सिस्टम' विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध के लिए जैन (मानद विश्वविद्यालय) द्वारा 16 जनवरी 2023 को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

पुरस्कार

एनआईटीटीटीआर-आईएएपी द्वारा सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली की डॉ अर्चना, वैज्ञानिक 'एफ', को डीआईपीआर में सैन्य मनोविज्ञान से संबंधित परियोजनाओं में निरंतर अनुसंधान योगदान के लिए सम्मानित करते हुए उन्हें वर्ष 2023 का राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण तथा अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर–आईएएपी) पुरस्कार प्रदान किया गया है। आपको यह पुरस्कार 17 फरवरी 2023 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किए गए इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी (आईएएपी) सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया।

पीएक्सई द्वारा वृद्धाश्रम में सीएसआर से संबद्ध क्रियाकलापों का आयोजन

प्रमाण तथा प्रायोगिकी स्थापना (पीएक्सई), बालासोर की महिला प्रकोष्ठ द्वारा 07 जनवरी 2023 को दिव्य मंदिर वृद्धाश्रम, बालासोर का दौरा आयोजित किया गया जो हमारे आदरणीय वयोवृद्ध नागरिकों के चेहरे पर मुस्कान लाने की दिशा में एक छोटा सा कदम है। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ, पीएक्सई के सदस्यों द्वारा वृद्धाश्रम में रह रहे लोगों को कपड़े, बर्तन, सूखे खाद्य पदार्थ तथा स्वच्छता सामग्री वितरित की गई।

केयर, बेंगलुरु में डीआरडीओ साउथ ज़ोन थ्रो बॉल टूर्नामेंट

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु ने 18–19 जनवरी 2023 के दौरान विशेष रूप से महिलाओं के लिए डीआरडीओ साउथ ज़ोन थ्रो बॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। चैंपियनशिप में साउथ ज़ोन की कुल चार टीमों ने भाग लिया। डॉ सुब्रत रक्षित, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, केयर ने 18 जनवरी 2023 को टूर्नामेंट का उद्घाटन किया एवं समापन समारोह के दौरान ट्राफियां तथा पदक वितरित किए। टीम केयर, बेंगलुरू ने चैंपियनशिप जीती तथा वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई), बेंगलुरू की टीम टूर्नामेंट की उपविजेता टीम घोषित की गई।

आईटीआर में डीआरडीओ नेशनल वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2022-23

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर में 17–19 जनवरी 2023 के दौरान डीआरडीओ नेशनल वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2022–23 का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में उत्तर, दक्षिण, पश्चिम एवं मध्य क्षेत्र की चार टीमों ने भाग लिया था। श्री एचके रथ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, आईटीआर ने टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। निदेशक, आईटीआर ने अपने उद्घाटन भाषण में टूर्नामेंट में भाग लेने वाली चारो टीमों के सभी खिलाड़ियों का स्वागत किया तथा खिलाड़ियों को पूरे उमंग एवं उत्साह के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। मध्य क्षेत्र तथा दक्षिण क्षेत्र वॉलीबॉल टीम को क्रमशः विजेता एवं उपविजेता टीम घोषित किया गया। समापन दिवस पर निदेशक, आईटीआर ने विजेता और उपविजेता टीम दोनों को प्रमाण पत्र एवं पदक प्रदान किए। श्री डी के जोशी, निदेशक, पीएक्सई इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

टूर्नामेंट का आयोजन श्री पी एन पांडा, अध्यक्ष, आयोजन समिति, आपकी टीम, आईटीआर स्पोर्ट्स कमेटी तथा आईटीआर वर्क्स कमेटी द्वारा किया गया था।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में आगंतुकों के दौरे

केयर, बेंगलुरु

❄ एयर वाइस मार्शल राकेश सिन्हा, एवीएसएम और आपकी टीम ने 6 जनवरी 2023 को कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ ऋतुराज कुमार, वैज्ञानिक 'जी' तथा कार्यवाहक निदेशक, केयर ने प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया जिसके पश्चात केयर द्वारा स्थलीय सेनाओं के लिए सुरक्षा प्रणालियों तथा कमान एवं नियंत्रण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में विकसित की गई प्रौद्योगिकियों के संबंध में एक विचार–विमर्श सत्र एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

❄ थल सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बी एस राजू, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम ने 13 जनवरी 2023 को केयर, बेंगलुरु का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ सुब्रत रक्षित, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, केयर ने प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया जिसके पस्चात एक विचार–विमर्श सत्र तथा उसके उपरांत केयर द्वारा बुद्धिमत्तापूर्ण प्रणालियों एवं रोबोटिकी तथा स्थलीय सेनाओं के लिए सुरक्षा प्रणालियों तथा कमान एवं नियंत्रण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में विकसित की गई प्रौद्योगिकियों के संबंध में एक प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

डीआईपीआर, दिल्ली

❄ दिल्ली में नेपाल दूतावास में सैन्य अताशे कर्नल राम चंद्र खत्री ने 27 जनवरी 2023 को रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली का दौरा किया तथा डीआईपीआर में चलाए जा रहे एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में किए जा रहे प्रदर्शन को देखा। इस अवसर पर उनके समक्ष प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया।

एनपीओएल, कोच्चि

❄ रियर एडमिरल अर्जुन देव नायर, वीएसएम, एसीएनएस (एसआर) ने 20 जनवरी 2023 को नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि का दौरा किया। डॉ अजित कुमार के, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, एनपीओएल ने प्रयोगशाला के दौरे पर आए सम्मानित अतिथि एसीएनएस (एसआर) का स्वागत किया तथा उन्हें प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के संबंध में संक्षेप में जानकारी दी। रियर एडमिरल अर्जुन देव ने नौसेना एनपीओएल की यूडीए तथा अन्य अधुनातन परियोजनाओं की समीक्षा की।

❄ वाइस एडमिरल संदीप नैथानी, एवीएसएम, वीएसएम, सामग्री प्रमुख, भारतीय नौसेना ने 23 जनवरी 2023 को एनपीओएल, कोच्चि का दौरा किया। डॉ अजित कुमार के, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, एनपीओएल ने उन्हें एनपीओएल में किए जा रहे अनुसंधान क्रियाकलापों के संबंध में संक्षेप में जानकारी दी। इस अवसर पर श्री वी एस शेनॉय, वैज्ञानिक 'जी' तथा सह निदेशक (इलेक्ट्रॉनिक्स), एनपीओएल द्वारा एनपीओएल में चलाई जा रही तथा प्रस्तावित यूडीए एवं अन्य अधुनातन परियोजनाओं के बारे में विस्तृत प्रस्तुति दी गई। श्री के मोहनन, वैज्ञानिक 'जी' तथा एएसडी (एचएमएस) द्वारा बेहतर पोतखोल आरोहित सोनार के संबंध में प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि ने एनपीओएल के वैज्ञानिकों के साथ आयोजित की गई परस्पर संवादात्मक बैठक में भाग लिया।

डीआरडीओ समाचार अपने पाठकों को खुशियों एवं रंगों से सराबोर आनंदमय होली की शुभकामनाएं देता है।

डेसीडॉक, मेटकाफ हाउस, दिल्ली–110 054 द्वारा प्रकाशित